ASSOCHAM IN THE NEWS

The Economic Times 21 November, 2017

'Digital Ad Spend may Hit ₹13k-cr Mark by Dec 2018'

NEW DELHI Digital advertising spend in India is likely to grow to ₹13,000 crore by December 2018, at a rate of 35%, fuelled by growing demand for smartphones and falling data tariffs, predicts a survey. The digital ad spend, currently at ₹9,800 crore, will see an exponential increase on widespread usage of 3G-4G services and the ongoing surge in internet penetration, according to the survey conducted by industry body Assocham and KPMG. Citing the 2016 data, the report said the digital ad spend was estimated at around ₹7,500 crore at 2016-end.

ASSOCHAM IN THE NEWS

D.N.A. **21 November, 2017**

DIGITAL AD SPEND SET TO DOUBLE IN TWO YEARS

Digital advertising spend in India is likely to grow to ₹13,000 crore by December 2018, fuelled by growing demand for smartphones and falling data tariffs, says a survey Assocham and KPMG

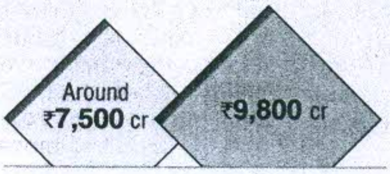

Digital ad spend at 2016-end

The same at present

Around 50% – Of overall spend was on digital in 2016

WHY THE RISE?

Increase in smartphones, tablets

Widespread usage of 3G-4G services

Surge in internet penetration

Over 235 mn – People in India access internet through mobile devices

WHAT MAKES DIGITAL ATTRACTIVE?

Digital ads are flexible - can be adapted to any kind of device like television, laptop, tablet or smartphone

The two-way interactive capability and the ability to customise the ad for target audience

Millennium Post 21 November, 2017

Digital ad spend may touch ₹13,000 crore by Dec 2018

NEW DELHI: Digital advertising spend in India is likely to grow to Rs 13,000 crore by December 2018, at a rate of 35 per cent, fuelled by growing demand for smartphones and falling data tariffs, predicts a survey.

The digital ad spend, currently at Rs 9,800 crore, will see an exponential increase on widespread usage of 3G-4G services and the ongoing surge in Internet penetration, according to the survey conducted by industry body Assocham and KPMG.

Citing the 2016 data, the report said the digital ad spend was estimated at around Rs 7,500 crore at 2016-end.

"Around 50 per cent of the overall advertising spend was on digital followed by e-commerce, telecom, technology and banking, financial services and insurance companies," it added.

The increase in smartphones and tablets is helping advertisers reach a wider audience, it said, adding that digital advertisements are flexible and can be adapted to any kind of device like television, laptop, tablet, or smartphone.

"The two-way interactive capability and the ability to customise the ad for target audience also make digital advertisements more effective," the survey noted.

Stating that more than 235 million people in India access Internet through mobile devices, the survey said the mobile applications are helping in reaching out to more customers even in remote and rural areas. PTI

डिजिटल विज्ञापन पर जमकर खर्च रहीं कंपनियां

रिपोर्ट

- स्मार्टफोन का इस्तेमाल बढ़ने व सस्ते डाटा प्लान की वजह से बढ़ाया खर्च
- डिजिटिल विज्ञापन के खर्च में सालाना 35 फीसद की दर से हो रहा इजाफा
- अगले एक साल में 13,000 करोड़ रुपए पर पहुंचने का अनुमान
- फिलहाल डिजिटल प्लेटफार्म पर विज्ञापन देने में 9800 करोड़ रुपए खर्च कर रही हैं कंपनियां

■ नई दिल्ली (वार्ता)।

स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वालों की बढ़ती संख्या और सस्ते डाटा प्लान के बीच कंपनियां डिजिटल विज्ञापन पर जमकर खर्च कर रही हैं। अगले एक साल में कंपनियों का यह खर्च 13,000 करोड़ रुपए पर पहुंच जाएगा। एक सर्वे में कहा गया है कि डिजिटल विज्ञापन खर्च में सालाना 35 फीसद की दर से वृद्धि का अनुमान है।

उद्योग संगठन एसोचैम ने सोमवार को एक रिपोर्ट में बताया कि इस समय डिजिटल प्लेटफार्मों पर विज्ञापन देने में कंपनियां 9800 करोड़ रुपए खर्च कर रही हैं। अगले साल दिसम्बर तक इसके 35 फीसद बढ़कर 13,000 करोड़ रुपए पर पहुंचने की उम्मीद है। इसके पीछे 3जी और 4जी इंटरनेट सेवाओं की आसान उपलब्धता को प्रमुख कारण बताया गया है। बाजार अध्ययन करने वाली प्रमुख शोध कंपनी केपीएमजी के साथ मिलकर तैयार की गई इस रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसम्बर 2016 में डिजिटल विज्ञापन का खर्च 7,500 करोड़ रुपए रहा था जो विज्ञापन पर कुल खर्च का 50 फीसद था। डिजिटल के बाद विज्ञापन में क्रमशः ई-कॉमर्स, दूरसंचार, प्रौद्योगिकी और बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं तथा बीमा का स्थान रहा।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दुनिया भर में दूरसंचार के बढ़ते डिजिटल साधनों के साथ डिजिटल विज्ञापन उद्योग तेजी से बढ़ रहा है। स्मार्टफोनों और टैबलेटों की बढ़ती संख्या के कारण विज्ञापन दाता अब ज्यादा आबादी तक पहुंच पा रहे हैं। डिजिटल विज्ञापन ऐसे होते हैं जो टेलीविजन, लैपटॉप, टैबलेट और स्मार्टफोन के अनुरूप ढल सकते हैं।

Pioneer (Hindi) 21 November, 2017

डिजिटल विज्ञापन पर खर्च दिसंबर, 2018 तक 13,000 करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान

एजेंसी। नई दिल्ली

देश में डिजिटल विज्ञापन पर खर्च दिसंबर, 2018 तक बढ़कर 13,000 करोड़ रुपए पर पहुंच जाएगा। एक सर्वे में कहा गया है कि डिजिटल विज्ञापन खर्च में सालाना 35 प्रतिशत की दर से वृद्धि का अनुमान है।

उद्योग मंडल एसोचैम और केपीएमजी के सर्वे में कहा गया है कि स्मार्टफोन और डेटा शुल्क में गिरावट की वजह से डिजिटल विज्ञापन खर्च में वृद्धि होगी। सर्वे में कहा गया है कि फिलहाल डिजिटल विज्ञापन पर खर्च 9,800 करोड़ रुपए है। 3जी और 4जी सेवाओं के विस्तार तथा इंटरनेट की पहुंच बढ़ने से डिजिटल विज्ञापन पर खर्च में बढ़ोतरी होगी। वर्ष 2016 के आंकड़ों का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि 2016 के अंत तक डिजिटल विज्ञापन पर खर्च करीब 7,500 करोड़ रुपए रहा था। इसमें कहा गया है कि कुल विज्ञापन खर्च में करीब 50 प्रतिशत डिजिटल के जरिए होता है। इसके बाद ई-कामर्स, दूरसंचार, प्रौद्योगिकी और बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा कंपनियों का नंबर आता है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि स्मार्टफोन और टैबलेट की मांग बढ़ने से विज्ञापनदाताओं को अब अधिक लोगों तक पहुंचने में मदद मिली है। डिजिटल विज्ञापनों के साथ खास बात यह है कि ए लचीले होते हैं और किसी भी तरह के उपकरण मसलन टेलीविजन, लैपटॉप, टैबलेट या स्मार्टफोन पर इन्हें देखा जा सकता है।

सर्वे में बताया गया है कि देश में 23.5 करोड़ लोग मोबाइल उपकरणों के जरिए इंटरनेट पर जाते हैं। मोबाइल एप्लिकेशंस की वजह से अब ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में भी पहुंचने में मदद मिल रही है।

Prayukti 21 November, 2017

डिजिटल विज्ञापन पर जमकर खर्च रहीं कंपनियां

एजेंसी @ नई दिल्ली

स्मार्टफोन इस्तेमाल करने वालों की बढ़ती संख्या और सस्ते डाटा प्लान के बीच अगले एक साल में डिजिटल विज्ञापन पर कंपनियों का खर्च 13,000 करोड़ रुपये पर पहुंच जायेगा। उद्योग संगठन एसोचैम ने एक रिपोर्ट में बताया कि इस समय डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर विज्ञापन देने में कंपनियां 9,800 करोड़ रुपये खर्च कर रही हैं। अगले साल दिसंबर तक इसके 35 प्रतिशत बढ़कर 13,000 करोड़ रुपये पर पहुंचने की उम्मीद है। इसके पीछे 3जी और 4जी इंटरनेट सेवाओं की आसान उपलब्धता को प्रमुख कारण बताया गया है। बाजार अध्ययन कंपनी केपीएमजी के साथ मिलकर तैयार की गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि दिसंबर 2016 में डिजिटल विज्ञापन का खर्च 7,500 करोड़ रहा था।